

पांच राज्यों के चुनाव परिणामः नतीजों के निहितार्थ



इस बार पांच राज्यों के चुनाव का 2024 के बड़े चुनाव का पूर्वाभ्यास करार दिया गया था। कांग्रेस ने हिसाब लगाया कि कहाँ-कहाँ लंबी सत्ता का जहर भाजपा को मार सकता है, कहाँ-कहाँ हमारी सरकार का अच्छा काम हमें फायदा दे सकता है। कांग्रेस की नजर इस पर भी थी कि चुनाव का परिणाम ऐसा ही होना चाहिए कि इंडिया में डंडा हमारे हाथ में रहे। यह गणित बुरा भी था, अपर्याप्त भी कभी जाटूगर का खेल देखा है? राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जाटूगर के बेटे हैं, लेकिन जाटू दिखा कोई दूसरा रहा है। पांच राज्यों में हुआ चुनाव ऐसी जाटूगरी का नमूना है। अब जब चुनावी धूल बैठ कुकी है, घायल अपने घावों की साज-सभाल में लग हैं, विजेता अपनी जीती कुर्सियां झाङ-पोछ रहे हैं, हम जाटू के पीछे का हाल देखने-समझने की कोशिश करें। मोदी-शाह ने जिस नई चुनावी-शैली की नींव 2014 से डाली है उसकी विशेषता यह है कि न उसका आदि है, न अंत! यह सतत चलती है। चुनाव की तारीख घोषित होने पर चुनावी-मुद्रा में आना, चुनाव की तारीख तक चुनाव लड़ना और फिर जीत-हार के मुताबिक अपना-अपना काम करना-ऐसी आरामवाली राजनीति का अभ्यस्त रहा है यह देश, इसके राजनीतिक दल! मोदी-शाह मार्का राजनीति इसके ठीक विपरीत चलती है। वह तारीखें देखकर नहीं चलती, नई तारीखें गढ़ती हैं। चुनावी सफलता की तराजू पर तौलकर वह अपना हर काम करती है। उनके लिए चुनाव वसंत नहीं है कि जिसका एक मौसम आता है, यह बारहमासी छाड़ी है। उनके लिए विदेश-नीति भी चुनाव है, यूक्रेन-फिलीस्तीन-गजा-इजरायल भी और पाकिस्तान भी चुनाव है; जी-20 भी चुनाव है; खेल व खिलाड़ी भी चुनाव हैं, चंद्रयान भी चुनाव है; सरकारी तंत्र व धन भी चुनाव के लिए है। उनके लिए जनता भी एक नहीं, कई हैं जिनका अलग-अलग चुनावी इस्तेमाल है। मार्च 2018 में प्रधानमंत्री ने जनता का एक नया वर्ग पैदा किया था विकास के लिए प्रतिबद्ध जिले! 112 जिलों की सूची बनी। ये जिले ऐसे थे जिनके विकास की तरफ कभी विशेष ध्यान नहीं दिया जाता था। ये जिले ऐसे हैं जिनके विकास की तरफ कभी विशेष

नहां दिया गया था। जा बड़े रुजनातक पहलवान ह व अपन व अपन आसपास क चुनाव क्षेत्रों के लिए सारे संसाधन बटोरने में मन रहते हैं। नये चुनाव क्षेत्रों का सर्जन किसी के ध्यान में भी नहीं आता। मोदीजी ने अपनी रणनीति में इसे शामिल किया और 112 जिलों की सूची बना दी किसी ने नहीं समझा कि यह चुनाव की नई कांस्टीट्यूएंसी तैयार करने की योजना है। इन जिलों में से 26 जिले ऐसे थे जो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा तेलंगाना के 81 चुनाव-क्षेत्रों में फैले थे। ये सभी अधिकांशतः आदिवासी व अन्य पिछड़े समुदायों के इलाके थे। पहली बार इन इलाकों को लगा कि कोई है जो इनका अस्तित्व मानता ही नहीं, बल्कि उन्हें आगे भी लाना चाहता है। यहां विकास की क्या कोशिशें हुईं उनकी समीक्षा का यह मौका है। मौका है यह समझने का कि इन 81 चुनाव क्षेत्रों में भाजपा ने इस बार कांग्रेस को कड़ी टक्कर लगाई। 2018 में जहां इन क्षेत्रों में भाजपा ने बुमुश्किल 23 सीटें जीती थीं, 2023 में उसने यहां 52 सीटें जीती हैं- पिछले के मुकाबले दोगुने से ज्यादा। यह अपने लिए नये चुनावी आधार गढ़ने की योजना का एक हिस्सा था। स्मार्ट सिटी योजना, अलग-अलग समूहों को नकद सहायता की लगातार घोषणा आदि सब चुनाव के नये कारक हैं जिनके जनक मोदीजी हैं। इस बार पांच राज्यों के चुनाव को 2024 के बड़े चुनाव का पूर्वाभ्यास करार दिया गया था। कांग्रेस ने हिसाब लगाया कि कहां-कहां लंबी सत्ता का जहर भाजपा को मार सकता है, कहां-कहां हमारी सरकार का अच्छा काम हमें फायदा दे सकता है। कांग्रेस की नजर इस पर भी थी कि चुनाव का परिणाम ऐसा ही होना चाहिए कि इंडिया में डंडा हमारे हाथ में रहे। यह गणित बुरा भी था, अपर्याप्त भी। जब एक जादूगर अपने हैंट से नये-नये खरगोश निकालकर दिखा रहा हो तब मजमा उस नट को कैसे देखता रह सकता है? जिसे तभी हुई रस्सी पर संतुलन साधने का एक ही खेल आता है? और वह भी ऐसा कि संतुलन बास-बार डगमगाता भी रहता है! कांग्रेस राष्ट्रीय दल है तो सही, लेकिन उसके पास राष्ट्रीय सत्ता नहीं है; जो सत्ता है उसे भी वह संभाल नहीं पा सकती है। उसके पास राष्ट्रीय पहचान व कद का एक ही नेता है जिसका नाम है-राहुल गांधी। राहुल गांधी की जनी-अनजानी बहुत सारी विशेषताएं होंगी, लेकिन देख जो देख पा रहा है वह यह है कि वे अब तक राजनीतिक भाषा का ककहा भी नहीं सीख पाए हैं, उनके पास वह राजनीतिक नजर भी नहीं है जो चुनावी विमर्श के मुद्रे खोज लाती है। कांग्रेस में दूसरा कोई पंचायत स्तर का नेता भी नहीं है। कांग्रेस के पास उसका कोई शाह, कोई योगी, कोई हेशिवराज, कोई हेमंता नहीं है, वह किसी को बनने भी नहीं देती। दूसरी तरफ भाजपा है। उसके पास भी एक ही राहुल है-नरेंद्र मोदी। उनके पास हर मौसम की भाषा है, गिर्ध-सी वह राजनीतिक नजर है जो हर मुद्रे को अपने हित में इस्तेमाल करने की चातुरी रखती है। उनका कद इतना बड़ा बनाया गया है कि उसे कोई छू नहीं सकता। फिर नीचे कई नेता हैं जिनका अपना आभा मंडल है। इन सबके साथ है, एक परिपूर्ण प्रचार-तंत्र, एक परिपूर्ण धन-तंत्र तथा एक परिपूर्ण मीडिया-तंत्र। कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता कांग्रेसियों की नजर में भी पर्याप्त नहीं है; भाजपा का नेता भाजपाइयों की नजर में राजनीतिक नेता ही नहीं, अवतार भी है। दोनों का मुकाबला बहुत बेमेल हो जाता है। इंडिया के घटक जानते हैं कि कांग्रेस के कारण ही वे इंडिया हैं, लेकिन वे जो जानते हैं, वह मानते नहीं हैं। इसलिए कोई बंगाल को तो कोई उत्तरप्रदेश को तो कोई तमिलनाडु को तो कोई बिहार को इंडिया मानकर चलता है। इस तरह सब खिखरी मानसिकता से एक होने की कोशिश करते हैं। यह असंभव की हृद तक कठिन काम है। 2014 से लेकर अब तक भाजपा की रणनीति यह रही है कि वह अपना राजनीतिक आधार बनाने व बढ़ाने के लिए वकी नफा-नुकसान का हिसाब नहीं करती। राजनीति संभव संभावनाओं का खेल है। 2023 में फिर से बताता है कि संभव संभावनाओं में असंभव संभावना छिपी होती है। भाजपा वैसी संभावनाओं को पकड़ने की हर संभव कोशिश कर, असंभव को साधती आ रही है। दूसरे संभव को असंभव बनाने के खेल से बाहर ही नहीं आ पाते।

महुआ की संसद से विदाई



अपने मनमाफिक सवाल पूछने के लिए रजामन्द कर लिया था। बाद में इस पूरे वाकये को एक टीवी चैनल पर प्रसारित कर दिया गया था। जिसका संज्ञान स्वयं लोकसभा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने लिया था और तुरत-पुरत पूरे मामले की जांच करने के लिए कांग्रेस के नेता श्री पवन बंसल के नेतृत्व में एक बहुदलीय जांच समिति बना दी थी जिसमें विपक्ष की ओर से भाजपा नेता श्री विजय कुमार मल्होत्रा व समाजावादी पार्टी के श्री राम गोपाल यादव भी थे। समिति ने केवल 12 दिन के भीतर ही अपनी जांच

री करके 23 दिसम्बर, 2005 को अपनी पोर्टल लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दी थी जिनमें सभी दस लोकसभा सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की सिफारिश की गई। परन्तु भाजपा के सदस्य श्री मल्होत्रा ने अमिति की राय से असहमति दिखाते हुए अपना 'असहमति पत्र' लिखा था जिसमें उन्होंने शरीक करना नहीं चाहते क्योंकि समिति की कार्यवाही में सप्तसदीय प्रणाली का कायदे अनुपालन नहीं हुआ है। सदस्यता कुल 1 सांसदों की गई थी जिनमें एक सदस्य

यसभा के भी थे। उनकी सदस्यता भी यसभा ने रद् कर दी थी। इन 11 सांसदों छह भाजपा के तीन बसपा के व एक-एक राजद व कांग्रेस के थे। जब लोकसभा सदन के तत्कालीन नेता श्री प्रणव बर्जी ने दसों सांसदों की सदस्यता समाप्त की तो वे का प्रस्ताव रखा और जब यह निमित से पारित हो रहा था तो भाजपा सदों ने सदन से बाकआठट करते हुए कांग्रेस के तत्कालीन नेता श्री लालकृष्ण डवानी ने कहा कि किसी संसद सदस्य

सदस्यता लेना उसी तरह है जैसे किसी "फंसी" की सजा दे दी जाये। यह भी है कि संसद की आचार समिति किसी अधिक या फैजदारी मामले में किसी वकार की जांच नहीं कर सकती। इसका वकार केवल अदालत को ही होता है तुइसके साथ यह भी सच है कि संसद भीतर किये गये या किये जाने वाले विधरण के बारे में सम्बन्धित सदस्य के तापक कर्रवाई करने का पूर्ण अधिकार अदालत संसद को ही होता है। इसी वजह 2007 में इन 11 सांसदों की सदस्यता पर भी विश्वसनीयता के स्वाल उठाये जाएँगे। सकते हैं मगर उनकी यह शिकायत तो सच है। पाई गई कि महुआ जी ने अपना सांसद वाला लाग-इन पासवर्ड हीरानन्दानी को दिया लेकिन जांच समिति ने हीरानन्दानी वाला शपथ पत्र को ही पक्का सबूत मान लिया और उन्हें जवाब तलब करने की जहमत नहीं उठाई। महुआ मोड्रा ने जांच समिति पर भी उनके साथ बदसलूकी करने के गंभीर आरोप लगाये। विषपक्ष जाहिराना तौर पर मुद्रे अपने हक्क में इस्तेमाल कर सकता है लोकतन्त्र में ऐसा करने की स्वतन्त्रता भी है।

पुतिन का पावर पंच

र रहीसी से मुलाकात के जंग के दौरान ईशन बोलता है : और हथियारों का न ने सऊदी अरब और संबंधों के अलावा इस खेलशील मुद्दों पर मैं बातचीत के और सऊदी अरब से इजराइल-हमास विवरण कर चुका है। अपने देश की छाव करने और युद्ध में तातों के तौर पर पेश की दी ही है। दुनिया देशों से रूस की पुतिन ने अमेरिका का दृष्टि है। रूस की तेल के मर्थ तेल बाजार में आपके ग्रुप में है।

और यह तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए तेल उत्पादक देशों के साथ मिलकर काम करता है। इस ग्रुप ने हाल ही में तेल उत्पादन में कटौती का फैसला लिया है। यूक्रेन से युद्ध के 23 महीने बीत जाने पर भी पुतिन की अपने देश में ताकत कम नहीं हुई। उनके तंत्र में कोई दरार नहीं आई। अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिवंधों के बावजूद रूसी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है और ऊर्जा का उत्पादन व नियांत जारी है। 17 मार्च को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में पुतिन का पद पर बरकरार रहना लगभग तय है। यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया भले ही रूस पर हमलावर हुई लैकिन पुतिन ने अपने राजनीतिक कौशल से तेल उत्पादक देशों के बीच व्यापार और मजबूत करके अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। पुतिन ने यह दिखा दिया कि उनका दखल हर जगह बराबर है। पुतिन ने यह दिखाया है कि दुनिया की राजनीति में अभी भी उनका दबदबा है और अमेरिका का उन पर कोई असर नहीं है और न ही उनके दोस्तों पर।-आदित्य नारायण

धर्म:- ईश्वरीय आस्था में वृद्धि होगी। आर्थिक त्र में परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। हत्याकांक्षाओं को फलित करने में असमर्थता भव। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत हैं।

धर्म:- उच्च महत्वाकांक्षा ऊँची प्रगति के लिए अविरत करेगी। किसी नई योजना पर विचारमण होगे। दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु यत्यशील हों। आलस्य का त्याग करें।

धर्मथन:- राजनीति से जुड़े लोगों के लिए लाभकारी स्थिति बनेजी। नौकरी का वातावरण खद गो। असमाजिक तत्वों से दूरी बनायें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सर्वक्ता अपेक्षित है।

धर्मक:- सगे-संबंधों में अपने नैतिक कर्तव्यों से अमुख न हों। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। नये कायरें में लगनता से लाभ संभव।

धर्महंस:- आलस्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवरोधक गण। नये कायरें में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी संबंधी व्यवहार खुद के अस्वस्थता से परेशान हो सकते हैं। रोजगार में स्वयं की क्षमता का एहसास होगा।

धर्मन्याः:- निराशावादी विचारों का त्याग करें। रेजिनों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न मानें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। माता के ग्रास्य के प्रति सचेत रहें।

धर्मलाः:- सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। अच्छे आचार विचार से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल करें। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

वृद्धिकः- कोई महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। मधुरवाणी से संबंधों को प्रगाढ़ बनाएंगे। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

धनुः- महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर में किसी पुराने संबंधी का आगमन हो सकता है।

मकरः- निकट संबंधों में कुछ अप्रिय बाते दूर होंगी। भौतिक आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। मूल्यवान समय को व्यर्थ में जाया न होने दें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करने का प्रयत्न करें।

कृष्ण :- पूरा दिन अध्यात्मिक व पारंपरिक काययों में व्यतीत होगा। किसी इच्छित कार्य की पूर्ति से प्रसन्नता संभव। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। आवश्यकतानुसार भौतिकता को अपनाएं।

मीन :- कार्य के अत्याधिक बोझ से मन बोझिल होगा। जीवनसाथी के भावनात्मक सहयोग उत्साह का संचार होगा। शासन-सत्ता व राजकीय क्षेत्र के लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी।

नेहरू पर लंबे विमर्श की जरूरत



आलोचना कर सकते हैं, लेकिन भाजपा ने चरित्रहनन के लिहाज से यह तस्वीर डाली थी। जब भाजपा जीत रही थी, उस वक्त अपनी खुशी जाहिर करने के लिए क्या उसे यही तरीका सूझा था, या पिछे इसका कोई और मकसद था। और अभी संसद में पिछे से नेहरूजी के जिम्मे गलतियां थोप कर भी भाजपा क्या हासिल करना चाहती है समझना होगा। जम्मू-कश्मीर में विशेष का दर्जा समाप्त हो चुका है, अनुच्छेद मोदी सरकार ने हटा दिया है, राज्य दो में बंट गया है, लेकिन अब तक वहां नहीं कराए गए हैं। सरकार सब कुछ सुनोने का दावा करती है, तो पिछे अब

करने का फैसला क्यों नहीं ले पाइ है। करने के हालात के लिए नेहरूजी पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जिम्मेदारिये कैसे बरी हुआ जा सकता है, ये सभा भाजपा से पूछा जाना चाहिए। संसद में वे के दो तथाकथित ब्लंडर जब श्री शाह रहे थे, तो वे शायद इस तथ्य को भूल

किंतु इतिहास में यह काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में दर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लाई माउंटबेटन, शेरख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएँ थीं। भाजपा अगर इतिहास के पत्रों को पलटेगी तो देखेगी कि जनमत संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया

लीन गर्वनर अली जिन्ना के बाद 2 अप्रैल एक खत मस्टर जिन्ना नमत संग्रह उन्होंने उत्तर पर भारतीय और शेख फँस के बहां ललमानों पर डाला जाएगा केस्टान के लिए। यानी था, नेहरू जनरल की सबसे पहले नमत संग्रह की थी। सुझाया कि ननें के लिए कर सकते हैं ताकि इसके बाद उन्होंने उत्तर पर भारतीय और राजौरी व चाहिए। इसी तरह राजद सांस्कृतिक प्रो. मनोज झा ने एक सटीक उपाय सुझाया है कि मोदी सरकार को नेहरूजी के नाम का एक विभाग बना देना चाहिए। और यह भी कहा है कि यदि समस्या है तो नेहरू पर एक दिन 12 घंटे की चर्चा कर लें, सभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। यह सुझाव भले ही तंज में दिया गया है लेकिन अगर भाजपा इस पर अमल कर की हिम्मत दिया दे तो सच में इतिहास बदल जाएगा। मोड़ के रखे गए पत्रे एक बार फिर जनता के सामने होंगे और जनता खुद तय कर लेगा कि नेहरूजी ने देश को संभालने और दिशा देने में कहां, कौन सी भूलें कीं।

भाजपाइयों ने किया धरना-प्रदर्शन, कलवट्रेट के बाहर की नारेबाजी

प्रयाग दर्पण संबाददाता

वाराणसी। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साह के ठिकानों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उत्तरकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के खिलाफ जमर नारेबाजी की ओर कांग्रेस को धृष्टिचार का पोषक बताते हुए जनता की गाही कमाई को जितानी की आरोप लाया। कलवट्रेट के बाहर भाजपा नेताओं की भीड़ रही, शहर के अलावा अन्य कस्टों में भी भाजपा कार्यकर्ताओं का धन जारी है। जारी की गाही कमाई को जितानी की आरोप लाया। कलवट्रेट के बाहर भाजपा नेताओं की भीड़ रही, शहर के अलावा अन्य कस्टों में भी भाजपा कार्यकर्ताओं का धन जारी है। वाराणसी महानगर पश्चात कलमेश्वर एवं गुमुख पराधिकारी शामिल है। महिला मोर्चा की काशी क्षेत्र अध्यक्ष नम्रता चौरसिया समेत भाजपा नेताओं के कलवट्रेट के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। नम्रता चौरसिया का आरोप था कि जनता को देखना चाहिए कि कांग्रेस के नेता ब्यांका दाके करते हैं और जमीन पर इसके नेता कितने घृण्ण हैं। भूपेश बघेल ने महानगर पर 508 करोड़ को



वाराणसी की ओर अब धीरज साह के नेताओं की गिनती खत्म नहीं हो रही है। इस पार्टी का केवल चेहरा ही खारब नहीं हो चुका है। जांच एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए बताया कि

वाराणसी की ओर अब धीरज साह के नेताओं की गिनती खत्म नहीं हो रही है। जांच एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए बताया कि

वेंगलुरु में कांग्रेस नेता के रिश्टेदार के घर में 22 बक्सों में 42 करोड़ रुपये के बँडल मिले थे। जुलाई 2022 में बंगल में तुगप्पल सरकार के मंत्री पार्थ चत्तर्जी के ठिकानों से 50 करोड़ नकद और सोना बरामद हुआ था। जून 2022 में ही दिल्ली सरकार के तत्कालीन मंत्री संयोग जैन के ठिकानों से लगभग तीन करोड़ रुपये और सोने के सिक्के बरामद हुए थे। वाराणसी के स्वनाय परिवर्त और कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा यह अनाथ विवारंभ कार्यक्रम कराया गया। स्वनाय परिवर्त के संस्थापक संस्कारक प्रशांत तत्त्वारक ने बताया कि सनातन धर्म से जन्म से मृत्यु के बीच 16 संस्कार कियां हैं। उन्हें 10 वां संस्कार करना चाहिए। वाराणसी के महानगर पश्चात कलमेश्वर एवं गुमुख पराधिकारी के अलावा तना वार्ड समाप्त रोहित मिश्र, मदन मोहन दुबे खजुरी सभासद, संदीप रघुवंशी नारायणपुर सभासद, बरामद कनोजिया सभासद, अन्ना विश्वेश्वर एवं प्रभारी कमलेश ज्ञा के अलावा तना वार्ड समाप्त रोहित मिश्र, मदन मोहन दुबे खजुरी सभासद, संदीप रघुवंशी नारायणपुर सभासद, अन्ना विश्वेश्वर एवं प्रभारी कमलेश ज्ञा, ज्ञी परिवर्त के संस्थापक संस्कारक प्रशांत तत्त्वारक ने बताया कि सनातन धर्म से जन्म से मृत्यु के बीच 16 संस्कार कियां हैं। यह संस्कार उन बच्चों का तो असानी से हो जाता है जिनके माता-पिता नहीं होते हैं। लेकिन, ऐसे बच्चों के लिए जिनके माता-पिता नहीं होते हैं, वे इस संस्कार से विवर्त होते हैं। पिछले साल 20 बच्चों का यह संस्कार कराया गया था। इस साल जिन 25 बच्चों का संस्कार कराया गया है उन सभी अनाथ बच्चों का पालन-पोषण स्वनाय परिवर्त कराया होता है। साथ ही पिछले सालों में नकद रुपये और सोना दीक्षा सिंह सोनाराम भंडारी, अदि सेकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 अनाथ बच्चों को कराया विवारंभ संस्कार

वाराणसी। वाराणसी के 25 बच्चों का आज 16 संस्कार में से एक विवारंभ संस्कार कराया गया। निवेदिता इंटर कालेज में बंगल बच्चों को यज्ञ हवन करकर उनका यह संस्कार कराया गया। अब मिराज मंत्री तत्त्वारक इनकी शिक्षा-की पूरी विवाह संस्कार की गाही। वाराणसी के स्वनाय परिवर्त और कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा यह अनाथ विवारंभ कार्यक्रम कराया गया। स्वनाय परिवर्त के संस्थापक संस्कारक प्रशांत तत्त्वारक ने बताया कि सनातन धर्म से जन्म से मृत्यु के बीच 16 संस्कार कियां हैं। यह संस्कार उन बच्चों का तो असानी से हो जाता है जिनके माता-पिता नहीं होते हैं। लेकिन, ऐसे बच्चों के लिए जिनके माता-पिता नहीं होते हैं, वे इस संस्कार से विवर्त होते हैं। पिछले साल 20 बच्चों का यह संस्कार कराया गया था। इस साल जिन 25 बच्चों का संस्कार कराया गया है उन सभी अनाथ बच्चों का पालन-पोषण स्वनाय परिवर्त कराया होता है। साथ ही पिछले सालों में नकद रुपये और सोना दीक्षा सिंह सोनाराम भंडारी, अदि सेकड़ों भाजपा कार्यकर्ता के लिए जिक्र किया गया है।

प्रयागराज में कछुओं की तस्करी का भंडाफोड़, 741 कछुए किए बरामद; तस्करों को पुलिस ने पकड़ा



कछुआ तस्कर प्रयागराज लखनऊ हाइकोर्ट से 741 कछुए पिकअप वाहन से लेकर जगदीसुरु अदीते से होकर पश्चिम बंगल की ओर जाए हो रहे थे। मुखबिर की सूचना पुलिस के साथ वन विभाग की टीम ने नवाबगंज टोल लग्जा पर बेरबादी कर पिकअप को पकड़ लिया। कछुआ तस्करों के राह में थाना नवाबगंज में रखा गया। सुबह वन विभाग की टीम नवाबगंज टोल पर बेरबादी कर पिकअप को पकड़ लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित 01 गांठित अभियुक्त थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के मु0.अ0सं-0275/2023 धारा 376/328 भा0दर्वाजिं 0 व ड वाप्सी एवं रुपये से सम्बन्धित लाइन्स अभियुक्त का खुलासा प्रदान किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गि�रफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गि�रफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गि�रफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गि�रफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गि�रफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.2023 को बस स्टैंडेंड के पीछे सिविल लाइन्स से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अधियोग विविध कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-कृदार्थी अभियुक्त उर्फ भोला पुरा स्वर्द प्रदीप सिंह ठाकुर निवासी ग्राम रोहरा खुर्द पोस्ट गीधी नामी मुलायी जनपद मुलायी (छत्तीसगढ़) लाइन्स अभियुक्त की सूचना पर अज दिनांक 09.12.20